



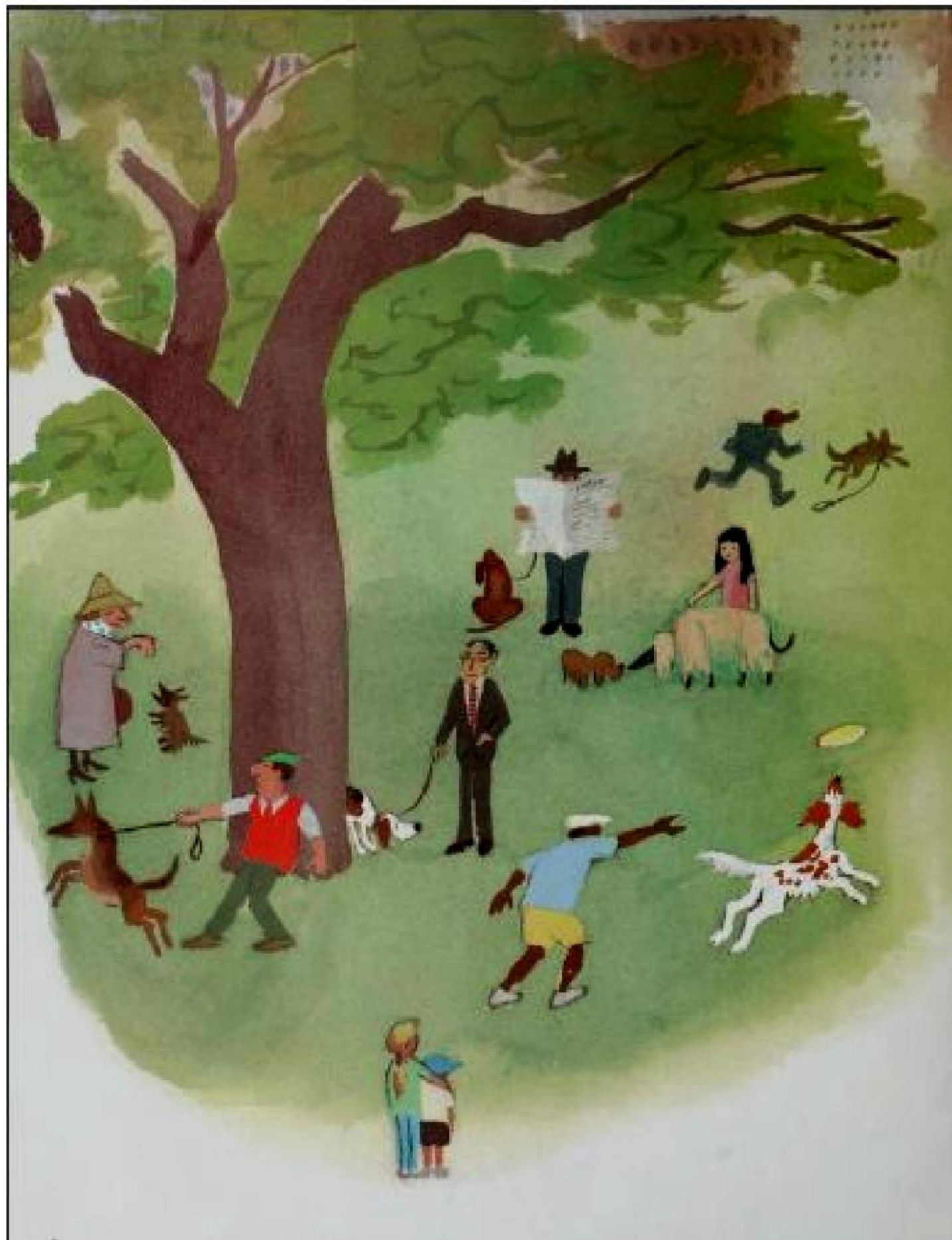
आवारा कुत्ता

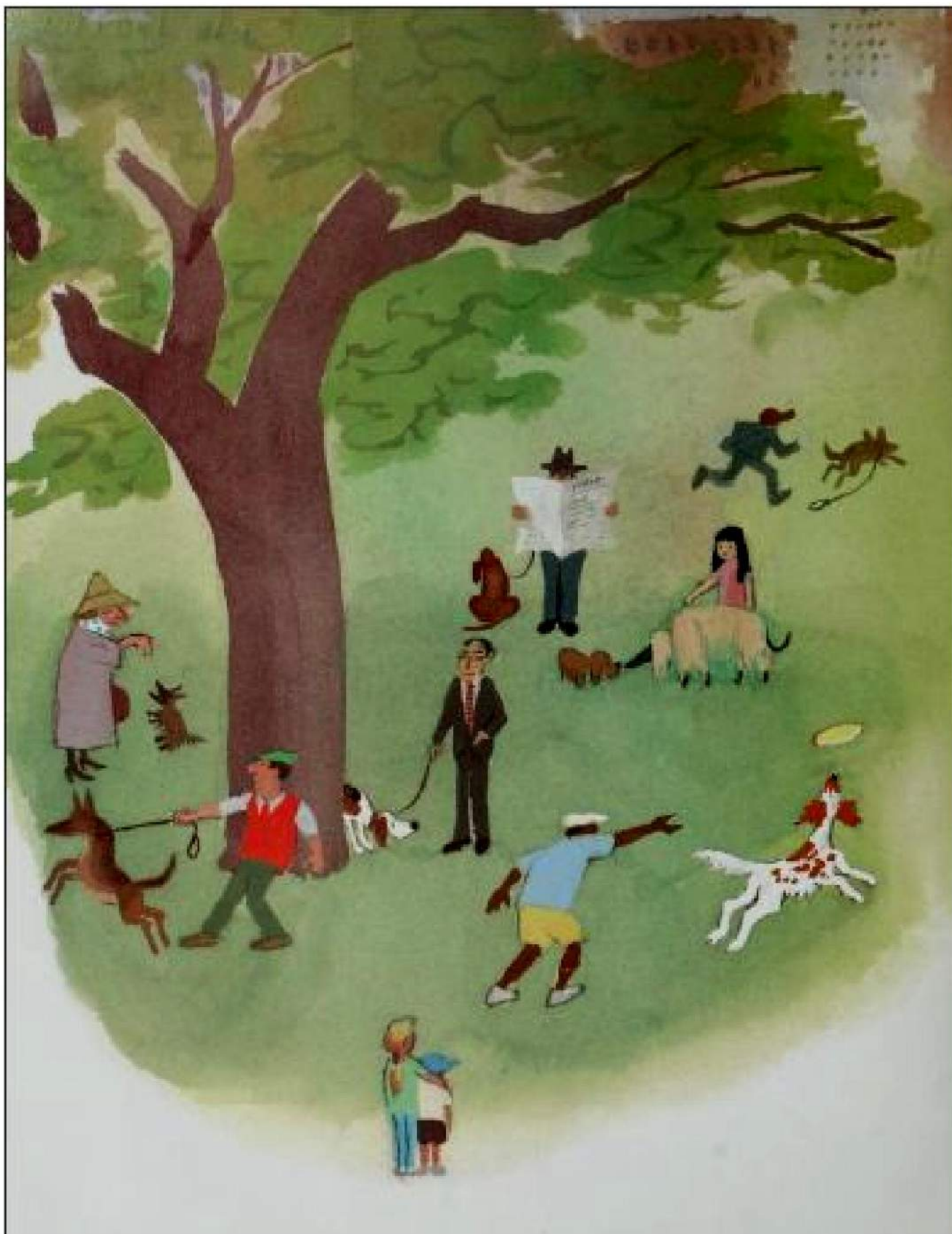
एक सच्ची कहानी

मार्क साइमन

हिंदी : विदूषक







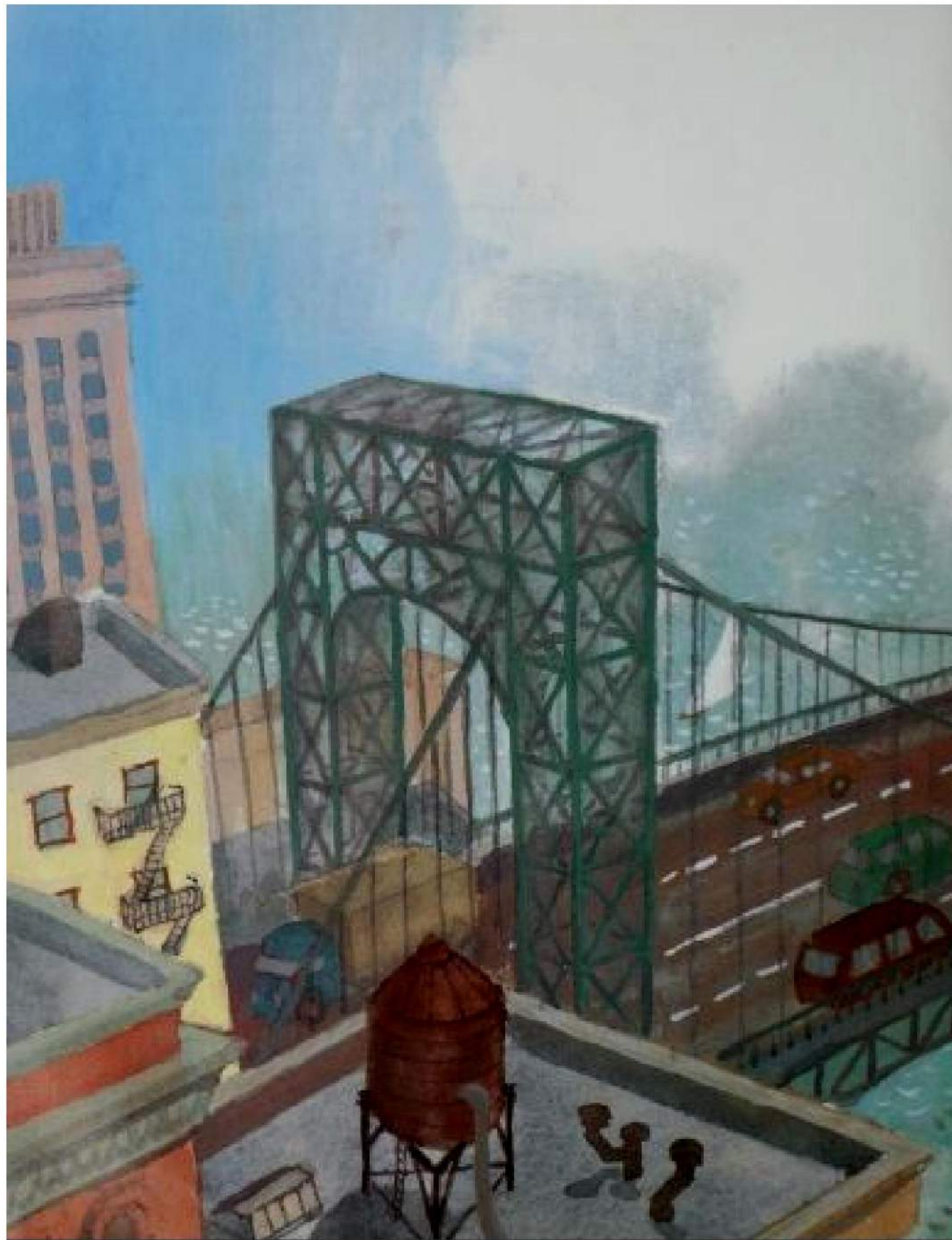


आवारा कुत्ता

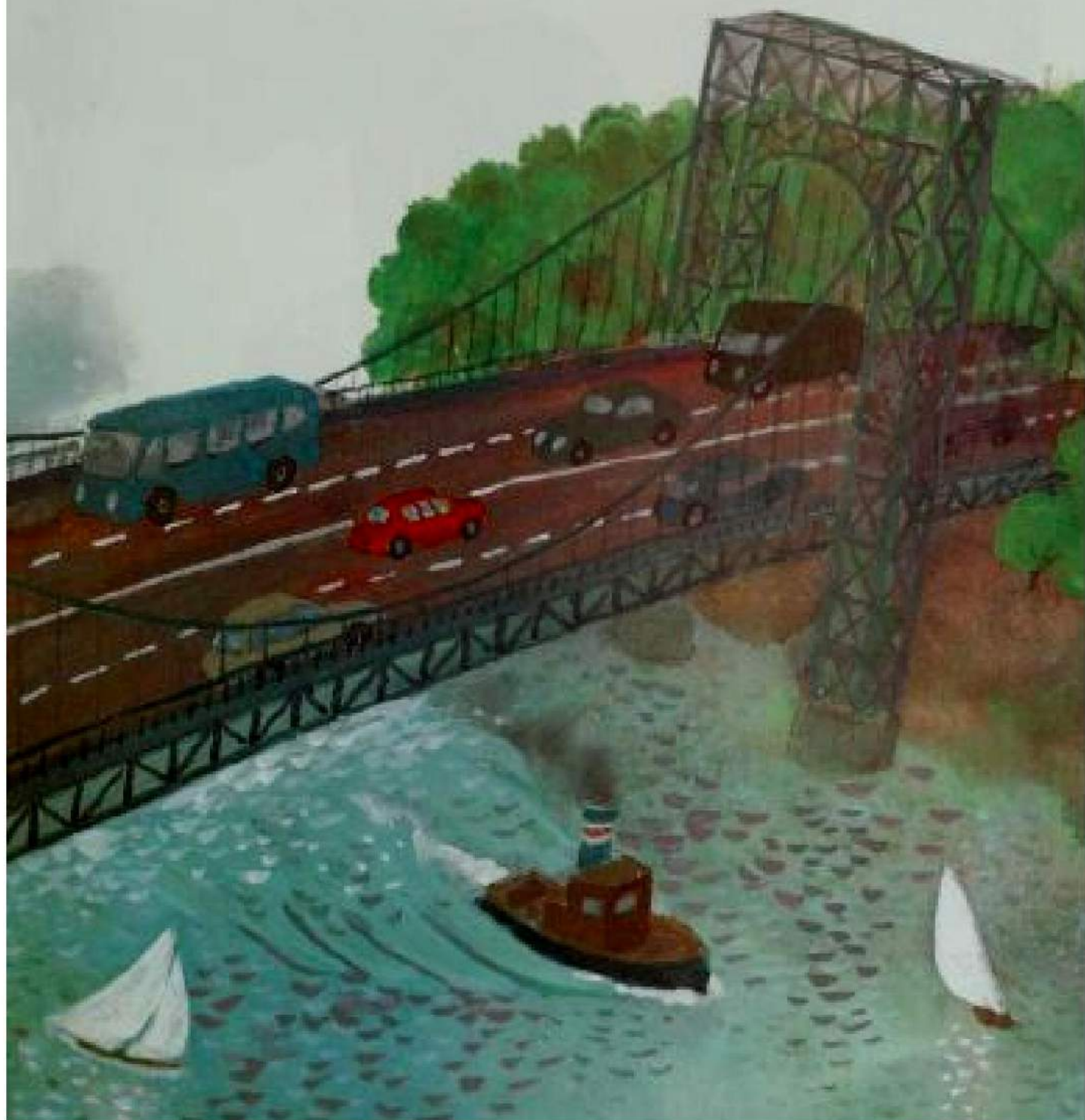
एक सचची कहानी







पिकनिक जाने के लिए वो सबसे अच्छा दिन था.



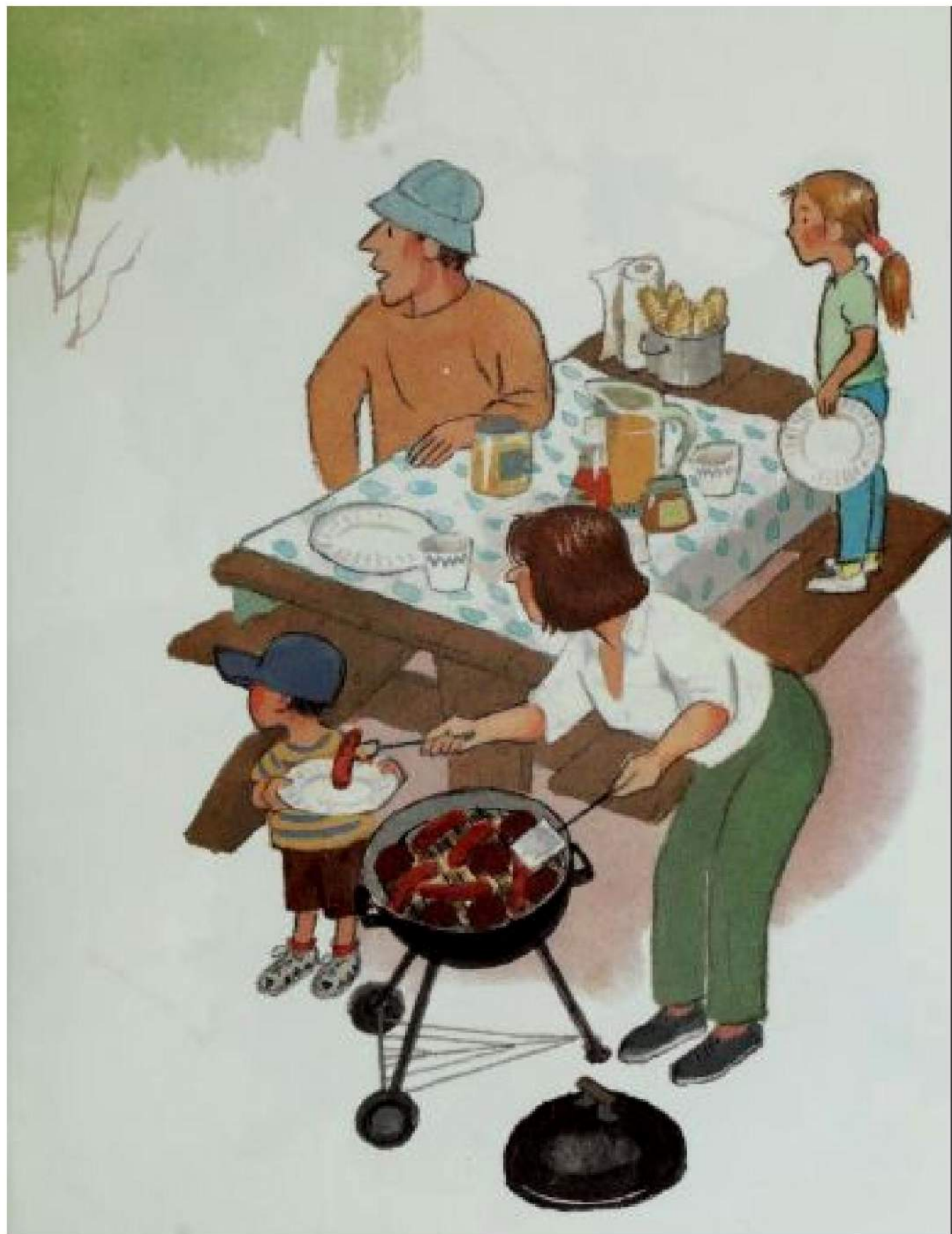


“कौन है?” पिताजी ने पूछा.

“एक मैला, छोटा सा पिल्ला है,” माँ ने कहा.

“भूखा लगता है,” लड़की ने कहा.

“उसका खेलने के मन है,” लड़के ने कहा.







बच्चे, पिल्ले के साथ खेले.
उन्होंने उसे बैठना सिखाया.
उन्होंने उसे विल्ली नाम दिया.
वो उसके साथ काफी देर खेलते रहे.
फिर घर जाने का समय हुआ.





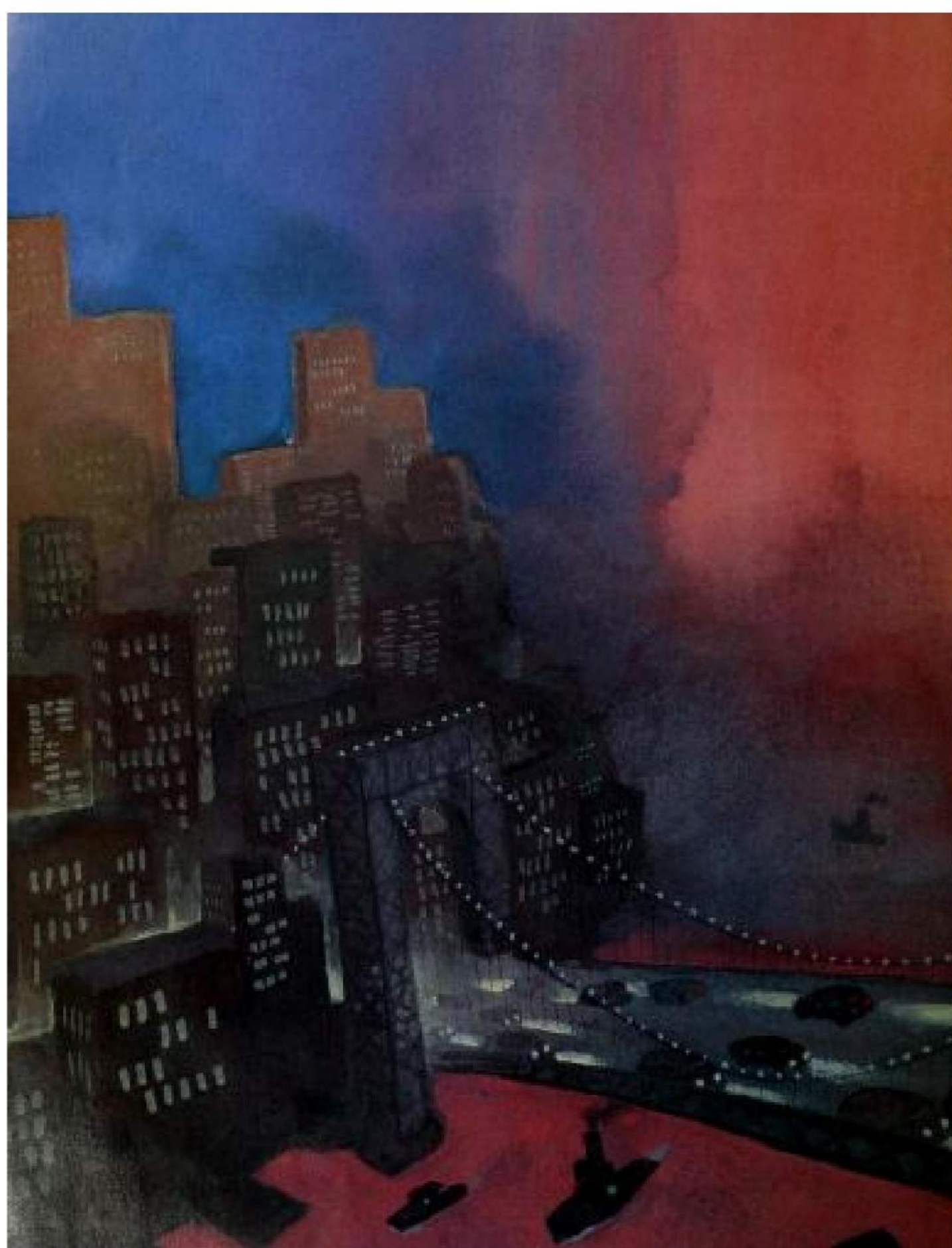
“हम विल्ली को घर ले जाना चाहते हैं,” बच्चों ने कहा.

“नहीं,” पिताजी ने मना किया.

“वो पिल्ला किसी और का होगा,” माँ ने समझाते हुए कहा,

“वो लोग अपने कुत्ते को ढूँढेंगे.”





घर के रास्ते में लड़की ने कहा,
“हो सकता था कि विल्ली लावारिस हो
उसका का कोई मालिक न हो.”



सोमवार



उस पूरे हफ्ते परिवार के सभी लोगों
के दिमाग में विल्ली ही छाया रहा.

मंगलवार



बुधवार

गुरुवार



शुक्रवार

शनिवार







“विल्ली!” सब लोग चिल्लाए जब उन्होंने उसे दौड़ते हुए देखा.
विल्ली रुका नहीं. वो बहुत जल्दी में था.

Willy w









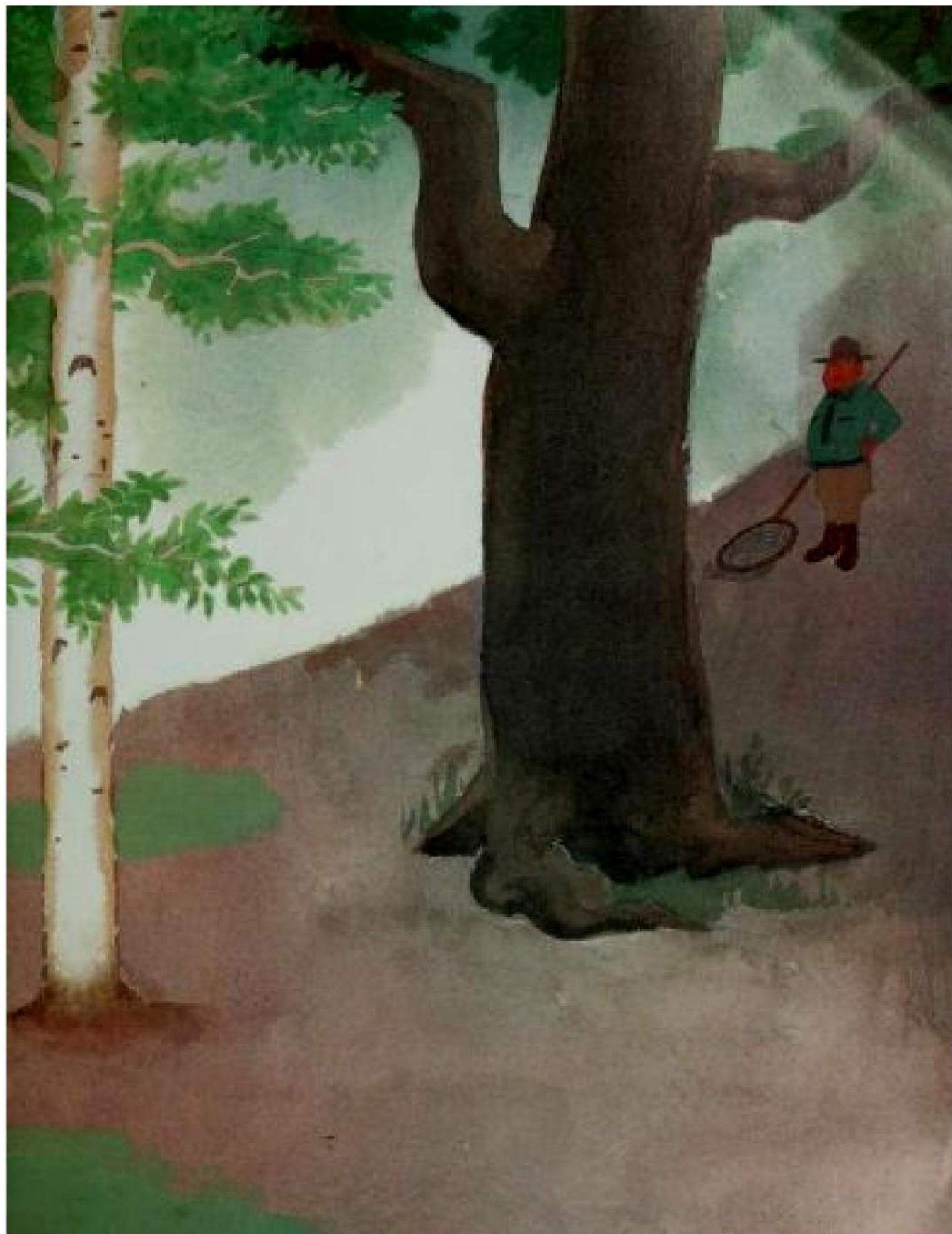
“विल्ली का कोई पट्टा (कालर) नहीं है. गले में कोई रस्सी नहीं है,” कुत्तों के वार्डन ने कहा. “वो एक आवारा कुत्ता है. उसका कोई मालिक नहीं है.”





लड़के ने बेल्ट उतारी. “यह रहा
उसका कालर,” उसने कहा.
लड़की ने बालों का रिबन खोला.
“यह रही उसकी रस्सी,” उसने
कहा. “उसका नाम विल्ली है,
और वो हमारा है.”

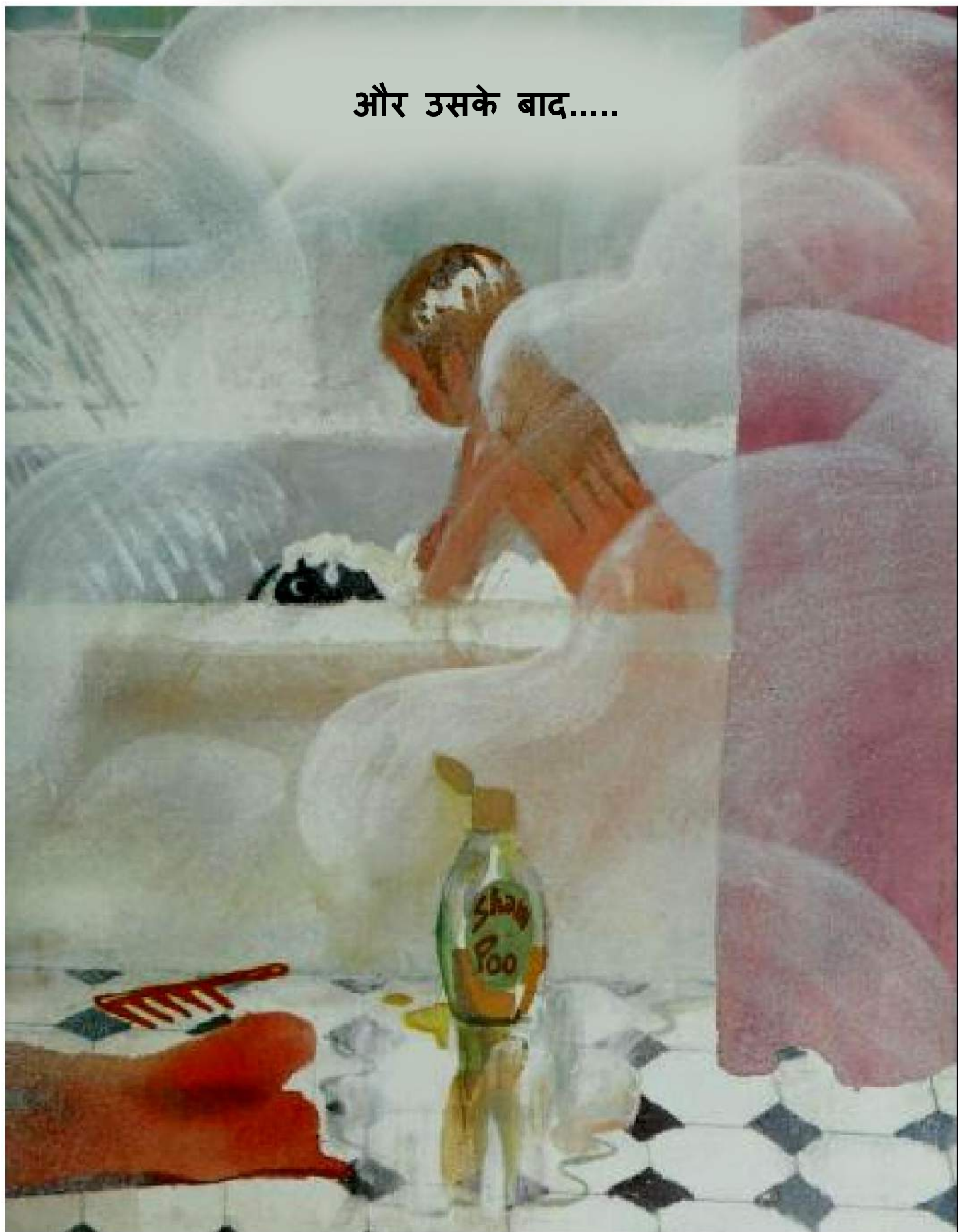




फिर वे विल्ली को घर लाए.



और उसके बाद.....





....उन्होंने पड़ोसियों से विल्ली का परिचय कराया.
वहां विल्ली की मुलाकात कई रोचक कुत्तों से हुई.





फिर विल्ली हमेशा के लिए उसी घर का हो गया.

